कहा तुम जियो हजारों साल... संतों ने दिया शतायु का आशीर्वाद

अन्य धर्मों को भी अपनी आध्यात्मिक शान से दादी ने किया नत्मस्तक

धार्मिक, यौगिक भूमिका निभाने वाली संस्था 'ब्रह्माकुमारीज़'

श्री 1008 श्रीशैल जगतगुरु चन्ना सिद्धाराम : दुनिया भर में शांति का फैलाव करने वाली यदि कोई संस्था है तो वो यह ईश्वरीय विश्व विद्यालय ही है। इस यात्रा के लिए योग माध्यम के द्वारा विश्व को शांति प्रदान करने में कोई संस्था यदि यशस्वी पायी गई है तो वो है यह ब्रह्माकुमारी संस्था। पुरुष प्रधान समाज में महिला भी धार्मिक, यौगिक भूमिका निभा सकती है, इसे कर दिखाने वाली कोई संस्था है तो वह यह ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय ही है। ये बहुत ही सुंदर अवसर है जब हम दादी जानकी जी का 100वाँ जन्मदिवस मना रहे हैं। प्रत्येक व्यक्ति को शांति चाहिए, उस शांति के लिए दो-तीन चीज़ें प्रतिबंधिक हैं, पहला है अपना अहंकार, दूसरा है व्यामोह और साथ-साथ मैंने इन दोनों को छोड़ा है ऐसा भाव भी मन में नहीं रहना चाहिए, तब जाकर आपको शांति प्राप्त होती है। ऐसी शांति को विश्व में फैलाने के लिए इस संस्था ने बखूबी प्रयत्न किया है। हमें गर्व है कि अपना सौ साल उन्होंने दूसरों को शांति प्रदान करने के लिए व्यतीत किया है। हम अपनी सभी पीठों की ओर से यही शुभकामनाएं देते हैं कि आपकी सम्पूर्ण आयु हो और आपकी आयु लोकहित के लिए समर्पित हो।

दादी जानकी एवं दादी हृदयमोहिनी का सम्मान करते हुए संतजन। साथ हैं राजस्थान पत्रिका के मुख्य संपादक गुलाब कोठारी व अन्य।

दादी जी लिविंग लाइफ यूनिवर्सिटी हर घर में हों एक दादी जानकी

एच.एच. श्री स्वामी अध्यात्मनंद जी महाराज, प्रेसीडेंट शिवानंद आश्रम, दिव्य जीवन संघ, अहमदाबाद – सेरिनिटी, रेग्युलेरिटी, एब्सेंस ऑफ वैनिटी, सिस्सीयरिटी, सिम्पलीसिटी, वैरेसिटी, इक्वानिमिटी, फिक्सिटी, नॉन इरेटिबिलिटी, एडेप्टीबिलिटी, ह्यूमैनिटी, जेनेरिसिटी की आप हैं लिविंग लाइफ यूनिवर्सिटी। काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार, ये नर्क के द्वार हैं, इनका शास्त्रों में वर्णन भी है। मैं दादी सहित किसी भी ब्र.कु. भाई बहनों के पास गया तो किसी भी भाई बहनों को मैंने जोश में, आक्रोश या ऊँची आवाज़ में बात करते नहीं देखा। मैं तो चाहूंगा कि हर घर में ऐसी दादी जानकी हों, हर घर में ब्रह्माकुमारियों का ओजस हो। प्योरिटी, लव, ह्यूमैनिटी, चैरिटी के साथ हर घर में डिविनिटी हो। मैं चाहता हूँ कि दादी जानकी जी 120वर्ष जीयें और आपको हमारी उम्र भी लग जाये।

स्वार्थ नहीं परमार्थ के लिए इनका जीवन : लोकेश मुनी

बूंदें लाखों बरसती हैं, पर बूंदें तो वही हैं जो स्वाती नक्षत्र की हों और नक्षत्र वही जो पूजे जाते हैं, जो जीवनमुक्ति का द्वार खोल देते हैं। दादी जानकी ने अपने व्यक्तित्व से अपनी प्रवृत्ति से लाखों-लाखों लोगों के अंदर विश्वास की लौ जलाई है। दुनिया में लोग नाम, मान, शान के लिए आते हैं लेकिन दादी जानकी जी स्वार्थ के लिए नहीं परमार्थ के लिए आई हैं। आज मेरा सौभाग्य है कि मुझे इस शतायु जन्मदिवस के अवसर पर आने का मौका मिला। आज दुनिया में कन्या भ्रूण हत्या की जा रही है, लेकिन ब्रह्माकुमारी संस्था ने महिलाओं का इतना उत्थान किया जो मैं इस संस्था को बहुत बहुत धन्यवाद देता हूँ। मैं तो ये कहूंगा कि **असली भारत रत्न की हकदार तो हमारी दादी जानकी जी** हैं।

ओम शांति से की ओमशान्ति मीडिया की महिमा - दादी

ओमशान्ति मीडिया-शांतिवन। दादी जानकी ने साकार में बाबा के साथ का अपना अनुभव सुनाते हुए बताया कि जब उन्होंने बाबा से पूछा कि लोग हमसे मिलकर नमस्ते करते हैं तो हम क्या बोलें, तो बाबा ने कहा कि तुम उन्हें ओम शांति बोलो। ओम-शान्ति की महिमा बताते हुए दादी ने कहा कि, एक बार ओम शांति कहो तो लाईट हो जाते हैं, दूसरी बार ओम शांति कहो तो माईट आ जाती है और तीसरी बार ओम शांति कहो तो एवरीथिंग राईट हो जाता है। ये बहुत खुशी की बात है कि दुनिया के कोने-कोने में इस ईश्वरीय संदेश को पहुँचाने के लिए यह ओमशान्ति मीडिया तैयार की गई है। ये है हमारे बाबा का यज्ञ, संगम युग, ये समय है हमारा भाग्य बनाने का। मुझे खुशी होती है, यहाँ मेरे साथ भगवान है। बाबा को सिर्फ याद नहीं करो, बाबा के साथ कम्बाइंड हो जाओ, उसे अपना साथी बना

लो। इसमें इतना बल आता है, बाबा साथी है मैं बस साक्षी बन जाऊँ। सच्ची दिल पर साहेब राज़ी, ये पूरी जीवन का अनुभव है।

दादी हृदयमोहिनी ने कहा कि ये छोटा सा संगमयुग बहुत ऊँचे काम के लिए मिला है। इसलिए हमें हरेक को परमात्मा का संदेश ज़रूर पहुंचाना चाहिए। ये पुरुषार्थ चलता ही रहता है अखबार द्वारा या और भी साधनों द्वारा। हम ये सोचते हैं कि दुनिया

ओमशान्ति मीडिया के सदस्यों ने भी कार्यालय में मनाया दादी का शताब्दी महोत्सव

परमात्मा के कार्य को अखबार वाले ही प्रत्यक्ष करने के निमित्त - दादी हृदयमोहिनी

वालों को ये पता पड़े कि परमात्मा गुप्त पार्ट बजा रहा है। थोड़ा-थोड़ा तो अभी अखबारों द्वारा भी काम लेते हैं लेकिन दिन प्रतिदिन इन सेवाओं को बढ़ाने का सभी भाई बहन उमंग और उत्साह से अपने अपने क्षेत्र में काम कर रहे हैं। परमात्मा शिव बाबा यही देख करके खुश होता है कि बच्चों को इस बात का उमंग है कि चारो ओर बाप का नाम प्रत्यक्ष हो कि बाबा कौन है और कैसे गुप्त रूप में सेवा कर रहे हैं, उसके लिए अखबारों वाले निमित्त हैं ही। यहाँ का कार्य बहुत अच्छी तरह से चल रहा है और आगे भी चलता रहेगा।

कार्यालय- ओम शान्ति मीडिया, संपादक- ब्र.कु.गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़, शान्तिवन, तलहटी, पोस्ट बॉक्स न.- 5, आबू रोड (राज.)- 307510. सदस्यता के लिए सम्पर्क- M - 9414006096, 9414182088,
Email- mediabkm@gmail.com, omshantimedia@bkivv.org, Website- www.omshantimedia.info
सदस्यता शुल्क: भारत - वार्षिक 190 रुपये, तीन वर्ष 570 रुपये, आजीवन 4500 रुपये । **विदेश** - 2500 रुपये (वार्षिक) **कृपया सदस्यता शुल्क 'ओमशान्ति मीडिया' के नाम मनीऑर्डर या बैंक ड्राफ्ट (पेएबल एट शान्तिवन, आबू रोड) द्वारा भेजें।**

RNI NO RAJHN/2000/721, POSTAL REGD. RJ/SIROHI/9623/15-17, Posting at Shantivan-307510 (Abu Road)
Licensed to post without prepayment RJ/WR/WPP/003/2015-17, Posting on 12TH TO 14TH and 22ND TO 24TH each month, published on 5th Feb 2016
संपादक: ब्र.कु.गंगाधर, प्रकाशक: ब्र.कु.करुणा द्वारा ब्रह्माकुमारीज़ मीडिया प्रभाग (आर.ई.आर.एफ) के लिए प्रकाशित एवं डी.बी.प्रिंट सॉल्यूशन्स जयपुर से मुद्रित।